

प्रेस विज्ञप्ति

पूसा संस्थान ने मनाया पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह

(16-22 अगस्त 2024)

नई दिल्ली, 16 अगस्त 2024 – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) ने आज अपने एग्रोनॉमी फील्ड में एक समारोह के साथ पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन किया। यह सप्ताह, जिसका उद्देश्य पार्थेनियम के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इसे खत्म करने के उपायों को बढ़ावा देना है, 16 से 22 अगस्त 2024 तक मनाया जा रहा है।

इस कार्यक्रम की शुरुआत सम्मानित अतिथियों की उपस्थिति के साथ हुई, जिनमें डॉ. अनुपमा सिंह, डीन एवं संयुक्त निदेशक (शिक्षा), डॉ. आर.एन. पड़रिया, संयुक्त निदेशक (प्रसार), और डॉ. पी.एस. ब्रह्मानंद, परियोजना निदेशक जल प्रोद्योगिकी केंद्र शामिल थे। इस कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवक, एग्रोनॉमी के छात्र, संकाय सदस्य और आईएआरआई के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में सस्य विज्ञान संभागाध्यक्ष डॉ. एस.एस. राठौर ने पार्थेनियम के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले गंभीर नकारात्मक प्रभावों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह आक्रामक खरपतवार जैव-विविधता, कृषि और मानव स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करता है, जिससे इसके संपर्क में आने वाले लोगों में एलर्जी, त्वचा में जलन और श्वसन संबंधी समस्याएं होती हैं।

खरपतवार वैज्ञानिक डॉ. टी.के. दास ने पार्थेनियम के प्रसार को रोकने के प्रभावी नियंत्रण उपायों की जानकारी दी। उन्होंने इस खरपतवार को खत्म करने और इसके आगे के प्रसार को रोकने के लिए यांत्रिक व रासायनिक नियंत्रण और जैविक विधियों सहित एकीकृत खरपतवार प्रबंधन उपायों का सुझाव दिया।

पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह आईएआरआई के प्रयासों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जनता और कृषि समुदाय को पार्थेनियम के खतरों के बारे में शिक्षित करना और इसके नियंत्रण के लिए समन्वित कार्रवाई के महत्व को बढ़ावा देना है। इस सप्ताह के दौरान, जागरूकता अभियान, कार्यशालाएं और फील्ड प्रदर्शन सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा ताकि इस महत्वपूर्ण कारण के लिए समुदाय को शामिल किया जा सके। उद्घाटन समारोह ने पार्थेनियम के प्रभाव को कम करने और एक स्वस्थ और सुरक्षित पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए आईएआरआई द्वारा शुरू की गई पहलों की एक श्रृंखला की शुरुआत की।

Press Release

IARI Celebrates Parthenium Awareness Week (16-22 August 2024)

New Delhi, 16 August 2024 – The ICAR-Indian Agricultural Research Institute (IARI) inaugurated the Parthenium Awareness Week with a function held at the Agronomy Field today. The week-long campaign, aimed at raising awareness about the harmful effects of Parthenium and promoting its eradication, is being observed from 16th to 22nd August 2024.

The event commenced with the gracious presence of distinguished guests, including Dr. Anupama Singh, Dean & Joint Director (Education), Dr. R.N. Padaria, Joint Director (Extension), and Dr. P.S. Brahmanand, Project Director Water Technology Centre. The function was attended by NSS volunteers, students, faculty of Agronomy, and other staff members of IARI.

In his address, Dr. S.S. Rathore, Head of Agronomy, emphasized the severe negative impacts of Parthenium on health and the environment. He highlighted how this invasive weed poses a significant threat to biodiversity, agriculture, and human health, causing allergic reactions, skin irritations, and respiratory issues among those exposed to it.

Weed Scientist Dr. T.K. Das provided insights into effective control measures to combat the spread of Parthenium. He suggested integrated weed management practices, including mechanical removal, chemical control, and biological methods, to eradicate this obnoxious weed and prevent its further proliferation.

The Parthenium Awareness Week is part of IARI's ongoing efforts to educate the public and the agricultural community about the dangers of Parthenium and the importance of coordinated action for its control. Various activities, including awareness campaigns, lectures, and field activities, will be conducted throughout the week to engage the community in this important cause. The inaugural function marked the beginning of a series of initiatives by IARI to mitigate the impact of Parthenium and promote a healthier and safer environment.